E-Learning Study Material

By Prof (Dr) YADWENDRASINGH
MAHARAJA COLLEGE, ARA
VKS UNIVERSITY, ARA, BIHAR

BA Part 1st Economics Hons
Paper 1st

Perfect/Elastic Demand
(पूर्णतया लोचदार माँग) :-

(i) पूर्णतया लोचदार माँग (Perfectly Elastic Demand) :- माँग की लोच पूर्णतया लोचदार तब कही जा सकती है जब किसी वस्तु की कीमत में थोड़े परिवर्तन से माँग में बहुत बड़ा हो जाय। इस संदर्भ में कुछ अर्थशास्त्रियों का कहना है कि जब कीमत में होने वाले सूक्ष्म परिवर्तनों का वस्तु की माँग अत्यधिक परिवर्तन आ जाता है तो ऐसी वस्तु की माँग की लोच पूर्णतया लोचदार होगी।

इस अवधारणा को निम्न रेखाचित्र के माध्यम से स्पष्ट किया जा सकता है :-

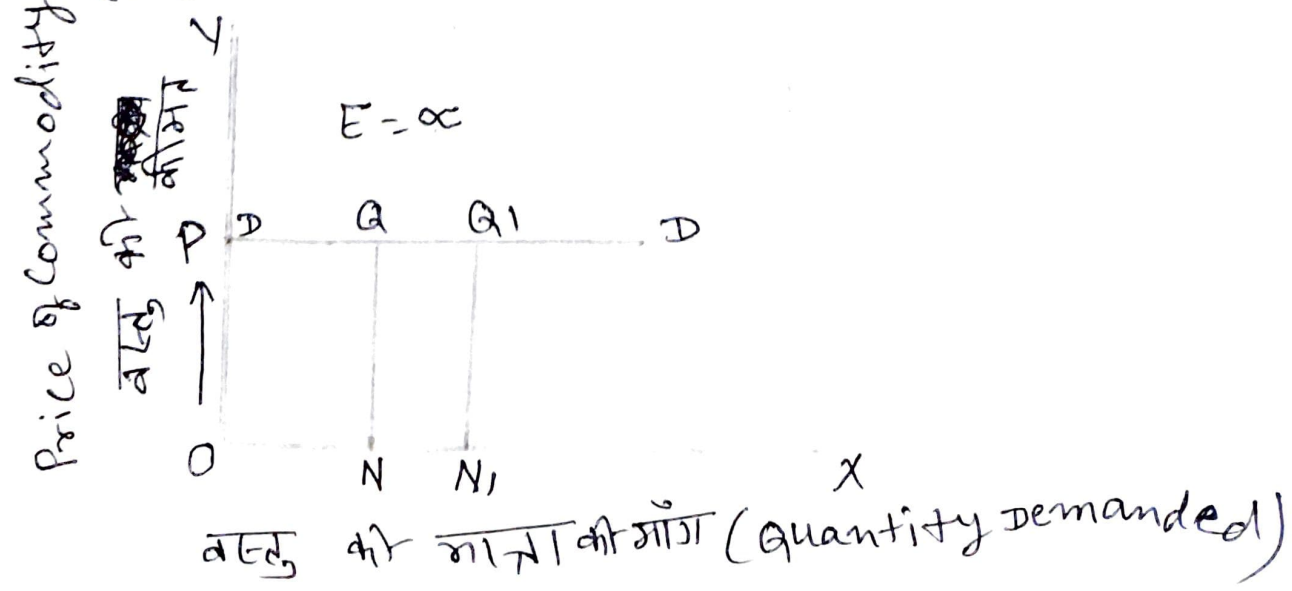

उपरोक्त रेखा चित्र में OX रेखा पर वस्तु की ~~मात्रा~~ माँगी जाने वाली इकाइयाँ तथा OY रेखा पर वस्तु की कीमत को दिखाया गया है। OP अथवा NQ कीमत पर वस्तु की माँग ON है, दूसरी दशा में कीमत के OP अथवा NQ पूर्ववत रहने पर भी माँग बढ़ कर ON1 हो जाती है। प्राय: ऐसा नहीं होता है। इसलिए कहा जाता है कि ऐसी माँग व्यवहारिक जीवन में नहीं पायी जाती है। क्योंकि कीमत में बिना परिवर्तन के माँग में अनन्त परिवर्तन नहीं हो सकते हैं। इसीलिए इस प्रकार की माँग की लोच को पूर्णतया लोचदार माँग या $E = \infty$ कहते हैं।

(ii) अधिक लोचदार माँग (Highly Elastic Demand) :- जब कम किसी वस्तु की कीमत में होने वाले आनुपातिक परिवर्तन की अपेक्षा माँग में होने वाला आनुपातिक परिवर्तन अधिक होता है तब इस माँग की लोच को अधिक लोचदार कहा जाता है। उदाहरण के लिए, यदि किसी वस्तु की कीमत में 10 प्रतिशत का परिवर्तन उसकी माँग में 20 प्रतिशत का परिवर्तन होता है, तो यह स्थिति अधिक लोचदार माँग की होगी। इस धारणा को निम्न रेखाचित्र के माध्यम से स्पष्ट किया जा सकता है :-